ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

देश को एक सूत्र में बांधती है हिंदी : संदीप पाटील

हिंदी विश्वविद्यालय में हिंदी माह का शुभारंभ, भारतीय भाषाओं के सम्मान और संवर्धन का आह्वान

वर्धा, 1 सितंबर 2026: हिंदी देश की विविध भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है। दक्षिण से उत्तर भारत तक हिंदी संवाद और आपसी जुड़ाव का माध्यम बनकर देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य कर रही है। यह बात नागपुर परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक संदीप

पाटील ने मंगलवार को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में हिंदी माह के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

विश्वविद्यालय के राजभाषा विभाग की ओर से आयोजित समारोह का शुभारंभ गालिब सभागार में दीप प्रज्वलन एवं विश्वविद्यालय के

कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने की, जबकि वर्धा के जिला पुलिस अधीक्षक सौरभ अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

पाटील ने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि विकास और सुशासन का महत्वपूर्ण आधार भी है। जब सरकार की योजनाओं और नीतियों की जानकारी आम लोगों तक उनकी सहज भाषा में पहुंचती है, तो प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास और संबंध अधिक मजबूत होते हैं। उन्होंने हिंदी को देश के आर्थिक विकास से जोड़ते हुए कहा कि भाषाओं का विकास प्रशासन को अधिक प्रभावी और जनोन्मुख बनाता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों ने देश की सार्वभौमिकता, अखंडता और प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण

अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण और छोटे शहरों के विद्यार्थियों को भी समान अवसर मिल सकेंगे।

पाटील ने भाषा को व्यक्तित्व विकास से जोड़ते हुए कहा कि किसी भाषा पर अच्छा अधिकार व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारता है, संवाद को प्रभावी बनाता है और सामाजिक सौहार्द को बढ़ाता है। उन्होंने मातृभाषा को संस्कारों की आधारभूमि बताते हुए कहा कि मातृभाषा के माध्यम से ही अच्छे संस्कार और सभ्य अभिव्यक्ति सहज रूप से विकसित होती है। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए योग और ध्यान को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए मन का संतुलन और चित्त की स्थिरता आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से मजबूत, संतुलित और सर्वसमावेशी नागरिक बनने का आह्वान किया।

जिला पुलिस अधीक्षक सौरभ अग्रवाल ने कहा कि भाषा लोगों को सहजता से जोड़ने का माध्यम है और हिंदी देशवासियों के बीच संवाद एवं आत्मीयता का सेतु बन रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी को मजबूत बनाने के लिए इसके प्रयोग को बढ़ाना होगा। उन्होंने युवाओं से हिंदी में अधिकाधिक लेखन करने और कलम की ताकत के माध्यम से भाषा को समृद्ध बनाने का आह्वान किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि भाषा देश के स्वाभिमान से जुड़ा प्रश्न है और आत्मनिर्भरता की संकल्पना भारतीय भाषाओं के सशक्तिकरण से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। भाषा हमारे आत्मबोध और भावबोध का महत्वपूर्ण हिस्सा है तथा अपनी सांस्कृतिक परिधि में ही जीवंत और प्रभावशाली रूप ग्रहण करती है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में हिंदी राष्ट्रीय एकता का पर्याय बन गई थी। हिंदीतर प्रदेशों के अनेक नेताओं ने भी हिंदी को जनजागरण और राष्ट्रीय एकता के माध्यम के रूप में स्वीकार किया। लोकमान्य तिलक, बाबूराव पराड़कर, सुभाषचंद्र बोस और सी. राजगोपालाचारी जैसे नेताओं ने हिंदी के प्रसार और राष्ट्रीय चेतना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रो. शर्मा ने कहा कि वैश्वीकरण ने भारतीय भाषाओं के विकास के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। भारतीय भाषाओं ने डिजिटल क्रांति के साथ सामंजस्य स्थापित किया है। यही कारण है कि मीडिया, फिल्म और ओटीटी जैसे नए क्षेत्रों में भारतीय भाषाओं के माध्यम से रोजगार के व्यापक अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान का भाव बढ़ाने और भाषाई हीनताबोध एवं पराजित मनोवृत्ति को त्यागने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने मुख्य अतिथि संदीप पाटील और विशिष्ट अतिथि सौरभ अग्रवाल का विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न, शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी अधिकारी राजेश कुमार यादव ने किया तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी के संदेश का वाचन किया। कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान ने आभार व्यक्त किया।

हिंदी माह के अंतर्गत विश्वविद्यालय में हिंदी के प्रचार-प्रसार, राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विभिन्न हिंदी विषयक प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। समारोह में अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हिंदी देशाला एका सूत्रात बांधते : पोलीस महानिरीक्षक संदीप पाटील

हिंदी विश्वविद्यालयात हिंदी मासाचा शुभारंभ

वर्धा, १ सप्टेंबर २०२६ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात राजभाषा विभागाच्या वतीने आयोजित हिंदी मासाच्या शुभारंभ समारंभात प्रमुख पाहुणे म्हणुन बोलताना नागपूर परिक्षेत्राचे पोलीस महानिरीक्षक संदीप पाटील यांनी हिंदी भाषा दक्षिणेपासून उत्तरेपर्यंतच्या भारतातील सर्वांना एका सूत्रात बांधण्याचे कार्य करते, असे प्रतिपादन केले. मंगळवार, १ सप्टेंबर २०२६ रोजी गालिब सभागृहात हिंदी मासाचा शुभारंभ करण्यात आला. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा होत्या. यावेळी वर्धा जिल्ह्याचे पोलीस अधीक्षक सौरभ अग्रवाल विशेष अतिथी म्हणून उपस्थित होते.

संदीप पाटील हिंदीला भारताच्या आर्थिक विकासाचे माध्यम संबोधत म्हणाले की, भाषांचा विकास झाल्याने प्रशासन आणि सुशासन अधिक प्रभावीपणे कार्य करते. सर्वसामान्यांच्या भाषेत शासनाच्या योजनांची माहिती पोहोचल्याने प्रशासन आणि नागरिकांमधील संबंध अधिक दृढ होतात. भारतीय प्रशासकीय सेवा आणि भारतीय पोलीस सेवेतील अधिकाऱ्यांनी देशाची सार्वभौमता आणि अखंडता कायम राखण्यात महत्त्वपूर्ण योगदान दिले आहे, असेही ते म्हणाले.

स्पर्धा परीक्षांच्या तयारीसाठी प्रादेशिक भाषांमध्ये पुस्तके उपलब्ध झाली पाहिजेत, जेणेकरून शहरांबरोबरच ग्रामीण भागातील विद्यार्थीही या परीक्षांमध्ये यशस्वी होऊ शकतील, असे सांगून ते म्हणाले की, भाषेवर प्रभुत्व मिळवल्याने व्यक्तिमत्त्व खुलते, संवाद प्रभावी होतो आणि परस्पर सौहार्द वाढते. मातृभाषा आणि संस्कारांचा उल्लेख करत त्यांनी सांगितले की, मातृभाषेतूनच चांगले संस्कार आणि सुसंस्कृत शब्दांचा विकास होतो.

युवांनी सकारात्मक आणि संतुलित जीवनशैली स्वीकारावी, असे आवाहन करताना संदीप पाटील म्हणाले की, व्यक्तिमत्त्व विकासासाठी मनाचा समतोल आणि चित्ताची स्थिरता आवश्यक आहे. यासाठी नियमितपणे योग आणि ध्यान करणे गरजेचे आहे. सर्वांनी सशक्त, संतुलित आणि सर्वसमावेशक नागरिक बनावे, असे आवाहन त्यांनी केले.

यावेळी कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांनी संदीप पाटील आणि सौरभ अग्रवाल यांचे स्वागत विश्वविद्यालयाचे प्रतीकचिन्ह, शाल आणि पुष्पगुच्छ देऊन केले. जिल्हा पोलीस अधीक्षक सौरभ अग्रवाल म्हणाले की, भाषा ही एकमेकांना सहजपणे जोडणारे माध्यम आहे आणि हिंदी सर्व भारतीयांना जोडण्याचे कार्य करते. हिंदीत लेखन करून लेखणीच्या ताकदीने हिंदीला बळकट केले पाहिजे, असे आवाहन त्यांनी केले.

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा म्हणाल्या की, देशाच्या स्वाभिमानाचा प्रश्न भाषेशी जोडलेला आहे आणि आत्मनिर्भरतेची संकल्पना भारतीय भाषांशी निगडित आहे. भाषा ही आपल्या आत्मबोधाचा आणि भावबोधाचा अविभाज्य भाग आहे. भाषा आपल्या सांस्कृतिक परिघात जिवंत राहते. स्वातंत्र्य आणि हिंदीच्या संबंधांचा उल्लेख करताना त्या म्हणाल्या की, स्वातंत्र्याच्या काळात हिंदी ही एकतेची पर्यायवाची बनली होती. 'एक हृदय हो भारत जननी' अशी हाक देण्यात आली होती आणि हिंदीतर प्रांतांनीही हिंदीचा नारा बुलंद केला होता. लोकमान्य टिळक, बाबुराव पराडकर, सुभाषचंद्र बोस, राजगोपालाचारी आदी नेत्यांनी यात महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावली. त्या म्हणाल्या की, जागतिकीकरणामुळे भारतीय भाषांच्या विकासाचा मार्ग प्रशस्त झाला आहे. भारतीय भाषांनी डिजिटल क्रांतीशीही समन्वय साधला आहे. त्यामुळे माध्यमे, चित्रपट, ओटीटी यांसारख्या क्षेत्रांमध्ये रोजगाराच्या नव्या संधी निर्माण झाल्या आहेत. विकसित भारताचे उद्दिष्ट साकार करण्यासाठी भाषांप्रती सन्मानाची भावना वाढवली पाहिजे आणि पराभूत मानसिकतेचा त्याग केला पाहिजे, असे त्या म्हणाल्या.

कार्यक्रमाचे संचालन हिंदी अधिकारी राजेश कुमार यादव यांनी केले. त्यांनी केंद्रीय शिक्षणमंत्री प्रल्हाद जोशी यांच्या संदेशाचे वाचन केले. कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाची सुरुवात दीपप्रज्वलन आणि कुलगीत गायनाने झाली. यावेळी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.